

कोटा में तैयार हुआ दुनिया का पहला हेरटिज चंबल रविर फ्रंट

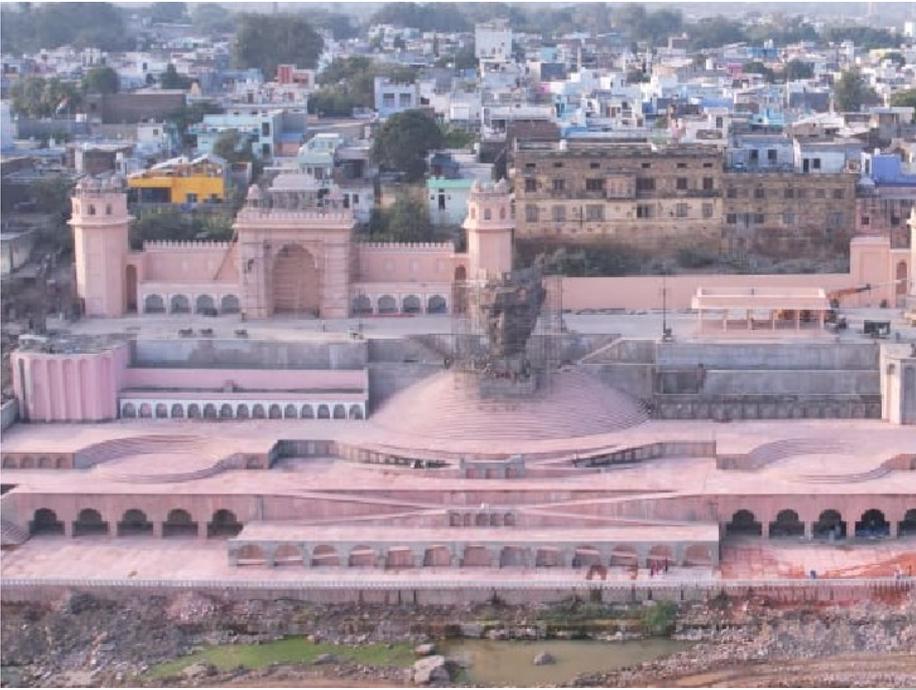
चर्चा में क्यों?

25 जुलाई, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार शक्ति का काशी कहे जाने वाले कोटा में चंबल नदी के किनारे दुनिया का पहला हेरटिज रविर फ्रंट तैयार हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- कोटा में बना यह हेरटिज चंबल रविर फ्रंट 1200 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है, जो कि चंबल नदी के दोनों किनारों पर बेहद खूबसूरत तरीके से 6 किलोमीटर तक बनाया गया है।
- चंबल रविर फ्रंट भारत में विकसित पहला हेरटिज रविर फ्रंट है। इस रविर फ्रंट के दोनों किनारों पर 26 घाटों का निर्माण करवाया गया है। इन घाटों को अलग-अलग थीम पर तैयार किया गया है।
- चंबल रविर फ्रंट से चंबल नदी के किनारे बसी बस्तियों को बाढ़ से निजात मिलेगी, साथ ही चंबल नदी में गरि रहे 14 गंदे नालों को ट्रेप कर नाले के पानी को एसटीपी से फिल्टर ट्रीटमेंट किया गया है, जिससे के चंबल के पानी का शुद्धिकरण भी होगा।
- चंबल रविर फ्रंट पर बने वर्ल्ड हेरटिज घाट पर विश्व के अलग-अलग देशों की 9 प्रसिद्ध इमारतें और वास्तुकलाओं को बनाया गया है। जिस तरह कश्मीर सागर तालाब के किनारे सेवन वॉडर्स पार्क बनाया गया है, जहाँ पर देश-दुनिया के सात अजूबे बनाए गए हैं, उसी तरह पर रविर फ्रंट के वर्ल्ड हेरटिज घाट पर विश्व की नौ प्रसिद्ध इमारतों की कलाकृतिका निर्माण किया गया है।
- करीब 240 मीटर क्षेत्र में एक के बाद एक कतार से यह वास्तुकलाएँ बनाई गई हैं, जिसमें भारत की शान लाल कला, गोपुरम् टैपल, चाइनीज पगोडा, हसिद्री पार्क, वेस्ट मसिटर, टेवी फाउंटेन, वारम टैपल, मास्क्यू और लॉवरे म्यूजियम देखने को मिलेंगे।
- यूआईटी के विशेष अधिकारी आरडी मीणा ने बताया कि चंबल रविर फ्रंट देश और दुनिया में कोटा के अलावा कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। आगामी अगस्त में चंबल रविर फ्रंट का उद्घाटन होगा। इसके बाद इसे पर्यटकों के लिये खोल दिया जाएगा।
- यहाँ चंबल नदी के किनारे देश की सबसे बड़ी नदी की मूर्त बिनाई गई है तो वहीं भगवान वशिष्ठ के 10 अवतार के दर्शन भी पर्यटक कर सकेंगे। इतना ही नहीं, सबसे बड़ी चंबल माता की मूर्त और विश्व की सबसे बड़ी घंटी भी चंबल किनारे चंबल रविर फ्रंट पर पर्यटकों को देखने को मिलेगी।
- आरडी मीणा के मुताबिक, रविर फ्रंट पर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का फेस मास्क भी बनाया गया है। इस फेस मास्क के पीछे की तरफ से लोग मास्क के अंदर जा सकेंगे और इनकी आंखों से रविर फ्रंट का नजारा देख सकेंगे। रविर फ्रंट पर वृंदावन गार्डन की तरह पर बैराज गार्डन को भी विकसित किया गया है।
- आरडी मीणा ने बताया कि बार्सिलोना फाउंटेन की तरह पर यहाँ भी फाउंटेन बनाया गया है। यहाँ आने वाले पर्यटक रंग बरिगी रोशनी और म्यूजिक के साथ फाउंटेन शो एंजॉय कर सकेंगे। इसके अलावा मुकुट महल में संग्रहालय बनाया जा रहा है।
- रविर फ्रंट में योग की मुद्रा में एक इनवजिबिल स्टरक्चर है, जिस दोनो तरफ (राइट और लेफ्ट) से देखने पर ही नज़र आएगा, लेकिन सामने से देखने पर यह गायब हो जाता है। इसे स्टेनलेस स्टील से बनाया गया है।
- इसके अलावा यहाँ पर देश का पहला एलईडी गार्डन भी बनाया गया है। यहाँ आने वाले लोगों को वास्तविक पेड़-पौधे पक्षियों की जगह एलईडी एलमिंट दिखाई देंगे। रविर फ्रंट के पूर्वी जोन में जोडयिक घाट भी विकसित किये गए हैं, जिसमें अलग-अलग राशचक्र हैं।
- करिवर फ्रंट पर थाई टैपल की खूबसूरत हूबहू इमारत बनाई गई है। यहाँ पर छोटे-छोटे रेस्टोरेंट्स भी बनाए गए हैं, जिनमें लाल कला भवन में मुगलई, गोपुरम् भवन में साउथ, चाइनीस बलिडिगि में चाइनीस व्यंजनों का भी पर्यटक लुत्फ उठा सकेंगे।
- यहाँ पन्नाधाय हाडी रानी का शौर्य भी देखेगा तो पूर्वी छोर पर हाडीती घाट बनाया गया है। बूंदी शैली पर निर्माण की 84 खंभों की छतरी तारागढ़ फोर्ट भी बनाया गया है। रविर फ्रंट पर बच्चों के लिये भी खास कडिस जोन में वाटर पार्क म्यूजिकल जोन भी बनाया गया है।
- यहाँ कलाकार अपनी प्रस्तुतियों भी दे सकेंगे और लोग बैठकर सुन सकेंगे। साथ ही 5 साहित्यकारों की प्रतमा भी लगाई गई हैं। यहाँ एक लाइब्रेरी होगी, जिसमें आने वाले पर्यटक कतिबे पढ़ सकेंगे।
- आरडी मीणा के मुताबिक, रविर फ्रंट पर अलग-अलग तरह के फव्वारे होंगे, जबकि सिहि घाट में 9 शेर व्हाइट मार्बल से लगाए गए हैं। चंबल रविर फ्रंट पर एक छोटा सा बाजार भी रहेगा और यहाँ बोटिंग और क्रूज का भी संचालन होगा।





PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/world-s-first-heritage-chambal-riverfront-prepared-in-kota>

